city भास्कर
RAIPUR, FRIDAY, 16/12/2016

हेल्थ

• डॉ. अब्बास नकवी
फिजिशियन, हेल्थ एक्सपर्ट

...लियर इंप्लांट ...तकनीक

...चों की दुनिया सबसे अलग ...भिरता का गुण इन बच्चों में ...ता है। गर्भावस्था के दौरान ...मारियों के लिए ली जाने वाली ...बच्चे मूक-बधिर हो सकते ... कोशिश करें कि गर्भावस्था ...डॉक्टर की सलाह के किसी भी ...करें। अमेरिका जैसे विकसित ...ाम्स के तहत हर माह बच्चों ... की जांच होती है, ताकि ... की पहचान आसानी से हो ...नको समय रहते उपचार ...न एसोसिएशन ऑफ द ... सलाह के अनुसार पैदा होने ... ओएई टेस्ट होना चाहिए, ...ने बच्चे का मूक-बधिर की ...ने हो सके। ऐसे बच्चों के ...द यदि इनका कॉक्लियर ...कराया जाए तो काफी हद ...फायदा मिलता है। प्रदेश में ...ा योजना प्रारंभ की गई है, ...बधिर बच्चों का ऑपरेशन ...ा जाता है।

...प्लांट तकनीकः इसमें ... मशीन से की जाती है। ... ही इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ... सेंस को डवलप किया ...सिर कोशिकाएं क्षतिग्रस्त ...म रोगियों की सर्जरी कर ...यह डिवाइस माइक्रोफोन, ...मीटर, रिसीवर और ...होता है। माइक्रोफोन ... को स्पीच प्रोसेसर ...फिल्टर कर इलेक्ट्रॉनिक ...मीटर तक भेजता है।

मेंटली रिटार्डेड बच्चों के लिए बनाया सेंटर, ट्रीटमेंट के साथ पढ़ा भी रहे

स्पेशल बच्चों के ट्रीटमेंट के लिए रिम्स में शुरू किया गया केयर सेंटर, स्पीच थैरेपिस्ट सिखा रहे बोलना

SOCIAL WORK

सिटी रिपोर्टर • हम ज्यादा से ज्यादा लोगों तक हेल्थ फैसेलिटी पहुंचाने गांवों में जाते हैं। कैम्प करते हैं। कुछ महीने पहले नया रायपुर से लगे एक गांव में एक बच्चे के साथ एक आदमी आकर मुझ से मिला। उसने बताया कि वो सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चे का पिता है। बोला- भगवान ने हमें ऐसा बच्चा क्यों दिया? मैं थक गया हूं इसका इलाज कराकर। जो पैसे थे सब खर्च हो गए, आप डॉक्टर हैं इतना नाम है कुछ कीजिए। उसकी इस बात में विनती कम बेबसी ज्यादा थी। सोचिए क्या बीत रही होगी उस बाप पर जिसे अपने पिता बनने पर ही खीज हो रही थी।

तभी सोचा कि ऐसे बच्चों के लिए कुछ पुख्ता किया जाए और फिर मेंटली रिटार्डेड और सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों को फ्री मेडिकल फैसिलिटी देने हमने रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी रिम्स में फ्री सेंटर शुरू कर दिया। तब से अब तक दर्जनों बच्चों का इलाज कर चुके हैं। दो दर्जन बच्चे अभी भी ट्रीटमेंट ले रहे हैं। खास बात ये है कि रिजल्ट नजर आने लगे हैं। कई ऐसे बच्चे जो मेंटली रिटार्डेड या सेरेब्रल पाल्सी की वजह से बोल नहीं पाते थे वो अब पापा, मम्मी जैसे शब्द बोलने लगे हैं। कई चीजें समझने लगे हैं। इन यादों के साथ अपने मिशन के बारे में भावुक अंदाज में ये बातें सिटी भास्कर से शेयर कीं रिम्स के डॉ. जसपाल भामरा ने।

बच्चे अतीक के साथ पिता यासिन (बाएं) और डॉ. जसपाल भामरा।

कान तरस गए थे बेटे के मुंह से अब्बा सुनने, यहीं पूरी हुई ख्वाहिश

यासिन बीजापुर के रहने वाले हैं। खुदा की रहमत से तीन साल पहले अतीक रजा के रूप में बेटा हुआ। तब खुश थे परिवार में जश्न का माहौल था। मगर 6 महीने बीतने के बाद समझ आया कि बेटे को सेरेब्रल पाल्सी है। कई जगह इलाज करवाया। सैंकड़ों के खाली चक्कर लगाने को देखकर घर चलाने वाले यासिन हार चुके थे, तभी इस सेंटर के बारे में पता चला। बच्चे की स्पीच थैरेपी हुई। दवाओं ने अपना काम बखूबी किया और तीन साल से जहां बाप और बेटे के रिश्ते में सहज छुपे हुए आंसू थे, वहां खुशी आई जब अतीक ने यासिन को अब्बा कहा। अतीक का इलाज यहां के बाकी बच्चों की तरह जारी है।

जानिए क्या है सेरेब्रल पाल्सी

भारत में इस बीमारी के हर साल 10 लाख से ज्यादा मामले सामने आते हैं। ये बीमारी पूरी तरह से ठीक नहीं होती, मगर सही इलाज मिलने से मरीज का जीवन थोड़ा आसान जरूर हो जाता है। कई मामलों में बच्चे के गर्भ में ही दिमाग का सही विकास न होना और कई बार जन्म के फौरन बाद दिमाग तक ऑक्सीजन न पहुंचने की वजह से ये प्रॉब्लम होती है। इसकी वजह से बच्चे के हाथ पैर या तो बेहद ढीले या ऐंठे से हो जाते हैं। चलने बोलने में दिक्कत होती है। दिमाग ठीक से काम नहीं करता।

स्पीचथैरेपिस्ट और काउंसलर कर रहे हैं बच्चों को ग्रूम

अमूमन ऐसे बच्चे ठीक से चल नहीं पाते। बोल नहीं पाते उनका सेंस डेवलप नहीं होता। डॉ. जसपाल भामरा और उनकी टीम न सिर्फ दवाओं की मदद से इनका इलाज कर रही है, बल्कि साइकोलॉजिकली इन्हें मजबूत बनाने में भी जुटी है। मंदिर हसौद रोड स्थित रिम्स के कैंपस में एक दर्जन से ज्यादा स्पीच थैरेपिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट और काउंसलर इन बच्चों को ग्रूम कर रहे हैं। सभी बच्चों के रहने और बेसिक एजुकेशन तक देने का इंतेजाम निशुल्क किया गया है। डॉ. जसपाल भामरा ने बताया कि कोई भी यहां आकर इस फैसिलिटी का फ्री में फायदा ले सकता है। इसके लिए 70899-63197 पर संपर्क भी कर सकते हैं।

खुशियों के त्योहार... लाखों के उपहार

भास्कर का क्रिसमस एंड न्यू ईयर शॉपिंग कॉर्निवाल आज से होगा शुरू

सिटी रिपोर्टर • दैनिक भास्कर लाया है साल का सबसे बड़ा क्रिसमस एंड न्यू ईयर शॉपिंग कॉर्निवाल। इस त्योहारी सीजन में शॉपिंग के साथ होगी उपहारों की बरसात।

16 दिसंबर से 1 जनवरी तक आयोजित होने वाले कॉर्निवाल में शहर के लोगों को उपहार जीतने का अवसर मिलेगा। शॉपिंग कॉर्निवाल में दो तरह के ड्रॉ होंगे। एक ड्रॉ हर दिन होगा और एक मेगा ड्रॉ होगा, जो आयोजन के बाद निकाला ...

सोलो एक्ट से स... की कहानी कह...

पद्मश्री शेखर सेन ने किया सोलो एक्ट 'साहब'

सिटी रिपोर्टर • एक छोटे से कस्बे का रहने वाला मगर आंखों में सपने बड़े लिए वो जी रहा है। जिंदगी में कई मोड़ आते हैं, सभी ... आयामों को बखूबी दिखाया एक्टर शेखर सेन ने। लीड कैरेक्टर के पल-पल बदलते एक्सप्रेशन्स सिचुएशन ... में अकेले ही एक्ट कर रहे थे। ... बात ऑडियंस को एंटरटेन करा... दिखी। कैरेक्टर के अनुसार एक... से चेंज होते एक्सप्रेशंस और वॉ... मॉड्यूलेशन थिएटर के स्टूडेंट्स ... हैरान करती दिखी। मौका अ... सेन स्मृति समारोह का रहा। पुर... कॉलेज कैंपस में आयोजित ... तीन दिवसीय समारोह के ... दिन उन्होंने परफॉर्म किया। क... तुलसी और विवेकानंद जैसे ... एक्ट के लिए मशहूर शेखर ने ... एक्ट को भी खुद ही लिखा है। इ...